FYUGP

HO MAJOR/RESEARCH

FOR UNDER GRADUATE COURSES UNDER RANCHI UNIVERSITY,RANCHI

स्नातकोत्तर हो विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची

University Department of HO, Ranchi University, Ranchi

पत्रांक ....

दिनांक 26.08.2025

Members of board of studies for the syllabus of four-years undergraduate programme (FYUGP)of NEP2020.

आज दिनांक 26/ 08/ 2025 को अपराह्न 1:00 बजे स्नातकोत्तर हो विभाग में विभागाध्यक्ष श्री प्रेम मुर्मू की अध्यक्षता में हो के NEP चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में पाठ्यक्रम समिति (BoS)की एक बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में पाठ्यक्रम समिति के निम्नलिखित सदस्यगण उपस्थित हुए :

1. डॉ. दमयन्ती सिंकु,
   सहायक प्राध्यापक, स्नातकोत्तर हो विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची। - 26/08/25
2. डॉ. सरस्वती गागराई,
   सहायक प्राध्यापक, स्नातकोत्तर हो विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची। - Gagrai 26/08/25
3. डॉ. अनुराधा मुण्डू,
   सहायक प्राध्यापक, स्नातकोत्तर हो विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची। - 26/08/2025
4. गुरु चरण पुरती,
   सहायक प्राध्यापक, स्नातकोत्तर हो विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची। - 26/08/25
5. डॉ. प्रदीप कुमार बोदरा,
   सहायक प्राध्यापक, हो विभाग, संत जेवियर्स कॉलेज, राँची। - PKB 26.08.25
6. डॉ. इन्दिरा बिरुवा,
   सहायक प्राध्यापक, हो विभाग, राँची वीमेंस कॉलेज, राँची। - Indira Birua 26.08.25.
7. डॉ. विजय सिंह गागराई,
   सहायक प्राध्यापक, हो विभाग, राँची वीमेंस कॉलेज, राँची। -
8. सोनी कुमारी
   सहायक प्राध्यापक, हो विभाग, राँची वीमेंस कॉलेज, राँची। - Skumari 26.08.25

उक्त बैठक में सर्वसम्मति से पाठ्यक्रम को स्वीकृति प्रदान की गई तथा यह निर्णय लिया गया कि पाठ्यक्रम को राँची विश्वविद्यालय भेजा जाय।

विभागाध्यक्ष

26/08/2025

श्री प्रेम मुर्मू

H.O.D.

University Department of HO

Ranchi University, Ranchi

हो स्नातक पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हो स्नातक पाठ्यक्रम का उद्देश्य निम्नांकित लक्ष्यों को प्राप्त करना हैः—

1. हो साहित्य का अध्ययन प्रस्तुत करना।
2. हो शषा, साहित्य और समाज को समझने में लोगों को मदद करना।
3. नई पीढ़ी को हो साहित्य की ओर प्रेरित करना।
4. हो साहित्य के रचनाकारों को समाज में प्रतिष्ठित करना और उनके कृतियों को प्रकाष में लाना।
5. हो साहित्य के महत्व और प्रतिष्ठा में वृद्धि करना।
6. हो साहित्य का संकलन, संचयन, प्रकाषन और मूल्यांकन को दिषा देना।
7. विद्यार्थियों को कुषल, संवेदनषील और जिम्मेवार नागरिक बनाना।
8. भाषा संबंधी कौषल का विकास करना।
9. उच्चारण, वर्तनी और लिपि का सही ज्ञान कराना।
10. मूलभूत कौषल यथा—लेखन, श्रवण और अभिव्यक्ति कला को विकसित करना।
11. एक कुषल वक्ता का निर्माण करना।
12. विभिन्न साहित्यिक विधाओं की जानकारी देना।
13. स्थानीय से लेकर वैष्विक स्तर तक के विभिन्न विषिष्ट साहित्यों से परिचित कराना।
14. समाज और समुदाय के प्रति संवेदनषील दृष्टि का विकास करना।
15. समाज के विभिन्न समुदायों के प्रति सहिष्णुता एवं मैत्रीपूर्ण भावना का विकास करना।
16. मानवीय मूल्यों के प्रमि स्वस्थ दृष्टिकोण विकसित करना।
17. साहित्य में राष्ट्र और राष्ट्रवाद के सही अर्थों को बताना।
18. राष्ट्रीय चेतना का विकास करना।
19. भाषिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक विरासतों को राष्ट्रीय परिपेक्ष्य में स्थापित करते हुए समानता का अवसर प्राप्त करना।

हो स्नातक पाठ्यक्रम का अधिगम परिणाम

स्नातक हो (प्रतिष्ठा) पाठ्यक्रम का से संबंध अधिगम परिणाम इस प्रकार है :–

1. साहित्य संप्रेषण के आधर बिंदुओं की जानकारी देना ताकि साहित्य के संबंध में एक स्पष्ट समझ विकसित हो सके।
2. हो साहित्य और भाषा का व्यवस्थित और तर्कसंगत ज्ञान कराना ताकि उसके सैद्धांतिक पक्ष और साहित्यिक विकास के संबंध में पर्याप्त जानकारी मिल सके।
3. साहित्य की विभिन्न विधाओं को पढ़ने और समझने की योग्यता का विकास करना।
4. साहित्य लेखन की विविध शैली और समीक्षात्मक दृष्टि का विकास करना।
5. स्थानीय, राष्ट्रीय और वैष्विक सांस्कृतिकता के वृहद संजाल के बारे में जानकारी देना ताकि विद्यार्थी में साहित्यिक मूल्यांकन की योग्यता विकसित हो सके।
6. समीच्य दृष्टि और व्यवस्थित वैचारिकी का प्रदर्षन करना जिससे हो साहित्य के अध्ययन के प्रति जिज्ञासा और प्रष्न उत्पन्न हो सके।
7. आधुनिक संदर्भ में तकनीकी संसाधनों का इस्तेमाल करते हुए हो साहित्य की जानकारी देना।

1. प्रत्येक स्तार पर जीवन के मूल्यों और साहित्यिक मूल्यों का निर्धारण करने की क्षमता और ज्ञान का विकास करना।

9. विद्यार्थी में श्रवण, लेखन और वचन के साथ–साथ कल्पना शक्ति का विकास करना जिससे कि उसके समग्र व्यक्तित्व में निखार आ सके।
10. साहित्य के अध्ययन के बाद रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों की पहचान करते हुए रोजगार के नए मार्ग को तलाषना।
11. वर्तमान युग सूचना क्रांति का युग है जिससे अभिव्यक्ति की प्रधानता है ऐसे में तकनीकी के विकास ने साहित्य संचरण को अत्यंत सुगम बना दिया है इसी के परिपेक्ष्य में हो साहित्य लेचान और अनुवाद का मंच प्रदान करना जिसका उपयोग कर जनसंचार से लेकर व्यक्तित्व विकास तक में विद्यार्थी प्रवीण हो सके। विद्यार्थी की रूचियों को एक व्यवस्थित रूप देना और उन्हें विभिन्न विधाओं में से चयन की स्वतंत्रता प्रदान करना ताकि वे स्नातक पाठ्यक्रम के

पूर्ण होने के बाद खुद ही साहित्य के विभिन्न क्षेत्रों में से अपनी रूचि के अनुसार चयन कर सकें।

12. भारत के साहित्यिक,सांस्कृतिक और भाषाई विविधता को जानने के प्रति जागरूकता पैदा करना।

13. भारतीय साहित्य के वाङमय में हो भाषा को स्थापित करना।

14. मातृभाषा, मातृभूमि की सेवा प्रेम को अटूट बनाना।

15. ग्रामीण एवं शहर के विद्यार्थियों को शैक्षणिक एवं साहित्यिक दृष्टिकोण से मजबूत बनाते हुए राष्ट्रीय एकता की भावना से जोड़ना है।

SEMESTER WISE COURSES IN HO MAJOR-1 FOR FOR FYUGP 2022 onwards

Table 7: Semester wise Examination Structure in Discipline Courses:

Semester	Courses		Examination Structure		
	Code	**Papers**	**Credits**	**Mid Semester Theory (F.M.)**	**End Semester Theory (F. M.)**
I	MJ-1	MJ-1 हो साहित्य के इतिहास की परम्परा	4	25	75
II	MJ-2	MJ-2 झारखण्डी समुदाय के संस्कार एवं संस्कृति	4	25	75
	MJ-3	MJ-3 हो व्याकरण	4	25	75
III	MJ-4	MJ-4 सामान्य लोक साहित्य	4	25	75
	MJ-5	MJ-5 हो आदिवासी ज्ञान परम्परा (IKS)	4	25	75
IV	MJ-6	MJ-6 हो लोक साहित्य	4	25	75
	MJ-7	MJ-7 हो काव्य के विविध रूप	4	25	75
	MJ-8	MJ-8 हो गद्य साहित्य	4	25	75
V	MJ-9	MJ-9 सामान्य जाति विज्ञान	4	25	75
	MJ-10	MJ-10 सामान्य भाषा विज्ञान	4	25	75
	MJ-11	MJ-11 हो समाज के विभिन्न संगठन/ सामाजिक संस्था	4	25	75
VI	MJ-12	MJ-12 झारखण्डी कानून एवं पारम्परिक शासन व्यवस्था	4	25	75
	MJ-13	MJ-13 झारखण्ड के स्वतंत्रता सेनानी एवं शहीद	4	25	75
	MJ-14	MJ-14 हो भाषा विज्ञान	4	25	75
	MJ-15	MJ- हो समाज एवं संस्कृति	4	25	75

VII	MJ-	MJ-16 हो कविता	4	25	75
	MJ-	MJ-17 हो कहानी	4	25	75
	MJ-	MJ-18 हो नाटक	4	25	75
	MJ-	MJ-19 हो उपन्यास	4	25	75
VIII	MJ-	MJ-20 अनुवाद साहित्य	4	25	75
	AMJ-1	AMJ-1 भारतीय साहित्य	4	25	75
	AMJ-	AMJ-2 साहित्य सिद्धांत	4	25	75
	AMJ-3	AMJ-3 आधुनिक भारतीय साहित्य(असमिया,बंग्ला,उड़िया, तमिल)	4	25	75
	Or RC-1 RC-2	Research Methodology	4	25	75
		Project Dissertation/ResearchInternship/Field Work	8	25	75
		Total Creadit	92		

SEMESTER WISE COURSES IN HO MAJOR-1 FOR FOR FYUGP 2022 onwards

Table 8: Semester wise Course Code and Credit Points for Skill Enhancement Courses:

Semester	**Skill Enhancement Courses**		**Examination Structure**			
	Code	**Papers**	**Credits**	**Mid Semester Theory (F.M.)**	**End Semester Theory (F. M.)**	**End Semester Practical/ Viva (F.M)**
I	SEC-1	प्रर्कीण साहित्य	3	---	75	-------

II	SEC-2	लेखन एवं प्रारूपण	3	---	75	---
III	SEC-3	हो साहित्यकार एवं उनकी कृतियां	3	---	75	----
		Total Credit	9			

Table 9 : Semester wise Course Code and Credit Points for Minor Courses:

Semester	Common, Introductory, Major, Minor, Vocational, & Internship Courses		Examination Structure		
	Code	**Papers**	**Credits**	**Mid Semester Theory (F.M.)**	**End Semester Theory (F. M.)**
I	MN-1A	MN-1 हो जनजाति के पर्व त्योहार	4	25	75
III	MN-1B	MN-2 कला एवं संस्कृति का सामान्य परिचय	4	25	75
V	MN-1C	MN-3 पारम्परिक वाद्य यंत्र, गीत एवं नृत्य शैलियाँ	4	25	75
VII	MN-1D	MN-4 झारखण्डी समुदाय का सांस्कृतिक केन्द्र एवं झारखण्डी पाक् कला	4	25	75
		Total Credit	16		

SEMESTER WISE COURSES IN HO MAJOR-1 FOR FOR FYUGP 2022 onwards

Table 10 : Semester wise Course Code and Credit Points for Elective Courses:

Semester	Elective Courses		Examination Structure			
	Code	**Papers**	**Credits**	**Mid Semester**	**End Semester**	**End Semester**

				Theory (F.M.)	Theory (F. M.)	Practical/ Viva (F.M)
III	AEC-3	लेखन एवं प्रारूपण	2	---	50	-------
IV	AEC-4	भाषा एवं संप्रेषण	2	---	50	---
		Total Credit	4			

SEMESTER WISE COURSES IN HO MAJOR-1 FOR FOR FYUGP 2022 onwards

MAJAOR COURSE : MJ – 1   हो साहित्य के इतिहास की परंपरा

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड ‘A’ में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रष्न होंगे। खण्ड ‘B’में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड ‘A’ अनिवार्य है जिसमें दो प्रष्न होंगे। प्रष्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रष्न होंगें । प्रष्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रष्न होगा। खण्ड ‘B’में छः में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हो भाषा में अपेक्षित होंगे।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

पाठ्यक्रम का उद्देश्यः–

- हो साहित्य का इतिहास पत्र के अंतर्गत हो साहित्य का इतिहास उद्भव–विकास, क्षेत्र–विस्तार, लेखन परंपरा एवं विशेषताओं के साथ– साथ हो साहित्य के काल विभाजन की जानकारी देकर विद्यार्थियों को हो साहित्य के इतिहास से अवगत कराना ।

हो साहित्य के इतिहास की परंपरा

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1 हो की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि,उद्भव,विकास, नामकरण,लेखन परंपरा, क्षेत्र– विस्तार, विशेषताएँ ।

इकाई – 2 हो गद्य–पद्य साहित्य के इतिहास, सामान्य परिचय, परिभाषा, विषेषताएं ।

(क) प्राचीन काल,

(ख) मध्य काल

(ग) आधुनिक काल

सहायक ग्रंथ

- होको ओंडोः नेकोवअः दिसुम – सामू चरण तुविड
- हो भाषा और साहित्य का इतिहास – डॉ आदित्य प्रसाद सिन्हा,
- लड़ाका हो : एक परिचय – कमल लोचन कोड़ाह

- हो भाषा – साहित्य और आंदोलन का इतिहास – डोबरो बुड़िउली
- हो भाषा – साहित्य की विकास यात्रा – डॉ इन्दिरा बिरुवा
- सरजोम पत्रिका, भाग–1 (सम्पादाकीय) – डॉ. प्रदीप कुमार बोदरा
- हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल
- हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
- आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

MAJAOR COURSE : MJ – 2 कला एवं संस्कृति का सामान्य परिचय

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	**Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

<u>मध्य छमाही परीक्षा :</u>

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रष्न होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

<u>छमाही परीक्षा :</u>

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रष्न होंगे। प्रष्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रष्न होंगें । प्रष्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रष्न होगा। खण्ड 'B'में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित होंगे।

कला एवं संस्कृति का सामान्य परिचय

पाठ्य का उद्देश्य :–

- ''कला, एवं संस्कृति का सामान्य'' पत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों में कला और संस्कृति के बीच की अंतः संबंध की जानकारी देना।
- इसके साथ ही विभिन्न कलाओं के निर्माण हेतु रूचि जाग्रत कर कौशल विकास करना, समाज के बीच व्याप्त कलाओं को संरक्षित करना प्रमुख ध्येय है।

प्रस्तावित संरचना

इकाई– 1 कला का सामान्य परिचय, वर्गीकरण, कलाओं का महत्व, झारखण्ड की पारम्परिक

प्रमुख कलाएँ – मिट्टी कला, चित्र कला, काष्ठ कला, बाँस कला, हस्त कला (सिलाई–कढाई एवं बुनाई कला)

इकाई – 2 कला, साहित्य एवं समाज का अंतः संबंध

इकाई – 3 कला एवं संस्कृति का अंतः संबंध

सहायक ग्रंथ :

- झारखण्ड की पारम्परिक कलाएँ : डॉ. गिरिधारी राम गौंझू 'गिरिराज', शकुन्तला मिश्र
- कलाएँ : हंस कुमार तिवारी
- साहित्यलोचन : डॉ॰ श्याम सुन्दर दास
- कला विवेचन : डॉ॰ विमल कुमार

- तुलिका (झारखण्ड की जनजातीयचित्रकला) : डॉ॰ आदित्य प्रसाद सिन्हा
- थाती : कला संस्कृति विभाग, झारखण्ड सरकार
- सौन्दर्य शास्त्र : कुमार विमल
- कला कोष : अमर नाथ कपूर

MAJAOR COURSE : MJ -3 हो व्याकरण

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

<u>मध्य छमाही परीक्षा :</u>

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

<u>छमाही परीक्षा :</u>

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रष्न होंगे। प्रष्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रष्न होंगें । प्रष्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रष्न होगा। खण्ड 'B'में छः में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हो भाषा में अपेक्षित होंगे।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

हो व्याकरण

पाठ्यक्रम का उद्देश्यः–

- हो व्याकरण के अंतर्गत विद्यार्थियों को हो भाषा की व्याकरणिक संरचना , ध्वनि ,लिपि, वर्तनी के साथ– साथ शब्द एवं वाक्य गठन की जानकारी प्रदान करना ताकि हो साहित्य लेखन में शुद्ध भाषा का प्रयोग करने में सक्षम होंगे ।
- भाषा से संबन्धित नियमों का ज्ञान प्राप्त होगा ।
- भाषा को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखने एवं समझने में सक्षम होंगे ।

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1 ध्वनि –परिभाषा, प्रकार

लिपि–परिभाषा, प्रकार

अक्षर ज्ञान –परिभाषा, प्रकार

शब्द ज्ञान–परिभाषा, प्रकार

वाक्य ज्ञान–परिभाषा, प्रकार

वर्तनी –परिभाषा, प्रकार, समस्या।

इकाई – 2

संज्ञा–परिभाषा, प्रकार

सर्वनाम–परिभाषा, प्रकार

विशेषण–परिभाषा, प्रकार

क्रिया–परिभाषा, प्रकार

क्रिया विशेषण–परिभाषा, प्रकार

लिंग–परिभाषा, प्रकार

कारक–परिभाषा, प्रकार

वचन–परिभाषा, प्रकार

काल–परिभाषा, प्रकार

उपसर्ग–परिभाषा, प्रकार

प्रत्यय –परिभाषा, प्रकार

संधि समास–परिभाषा, प्रकार

पर्यायवाची शब्द–परिभाषा

श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द–परिभाषा ।

सहायक ग्रंथ

- ❖ हो बकणा – लको बोदरा
- ❖ हो व्याकरण ओंडोः निबंधावली – डॉ दमयन्ती सिंकु
- ❖ प्रदीप हो बकणा – डॉ प्रदीप कुमार बोदरा

MAJAOR COURSE : MJ -4   सामान्य लोक साहित्य

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रष्न होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

छमाही परीक्षा :

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रष्न होंगे। प्रष्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रष्न होंगें । प्रष्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रष्न होगा। खण्ड 'B'में छः में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक पष्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित होंगे।

सामान्य लोक साहित्य

पाठ्य का उद्देश्य :–

- विद्यार्थी सामान्य लोक साहित्य के बारे में विस्तार से जान पाएंगे।
- विद्यार्थी सामान्य लोक साहित्य के महत्व एवं विषेषताओं के बारे में जान पाएंगे।
- विद्यार्थी सामान्य लोक साहित्य के विविध विधाएं– लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनृत्य, मंत्र आदि के बारे में जान पाएंगे।

प्रस्तावित संरचनाः

इकाई –1 लोक साहित्य की अवधारणा, परिभाषा, अध्ययन परम्परा, वर्गीकरण, महत्व, विषेषताएं।

इकाई – 2 लोक साहित्य के विविध विधाएं – लोकगीत, लोककथा, लोक नाट्य, लोक नृत्य, प्रर्कीण साहित्य, विषेषताएं एवं महत्व, लोक साहित्य और षिट साहित्य में अन्तर

सहायक ग्रंथ

- लोक साहित्य एवं विज्ञान – डॉ. सत्येन्द्र
- लोक साहित्य की भूमिका – डॉ. कृष्ण देव उपाध्याय
- लोक साहित्य एवं संस्कृति – डॉ. दिनेष्वर प्रसाद

MAJAOR COURSE : MJ-5 हो आदिवासी ज्ञान परम्परा

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

<u>मध्य छमाही परीक्षा :</u>

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड ‘A’ में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रष्न होंगे। खण्ड ‘B’में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

<u>छमाही परीक्षा :</u>

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड ‘A’ अनिवार्य है जिसमें दो प्रष्न होंगे। प्रष्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रष्न होंगें । प्रष्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रष्न होगा। खण्ड ‘B’में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हो भाषा में अपेक्षित होंगे।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

हो आदिवासी ज्ञान परम्परा

पाठ्यक्रम का उद्देश्यः–

- विद्यार्थी हो आदिवासी ज्ञान से परिचित होंगे इसके साथ–साथ सामान्य परिचय, महत्व, प्राचीन दर्षन, संस्कार, पर्यावरण को जान पाएंगे।
- विद्यार्थी आदिवासी ज्ञान के विभिन्न रूपों को बारीकी को जान पाएंगे।
- विद्याार्थी आदिवासी विष्वास परम्परा, वैद्य परम्परा, प्रकृति और जैव संसाधन के संरक्षण और संवर्धन को जान पाएंगे।

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1 प्राचीन दर्षन – धरती निर्माण, आदिवासी ज्ञान परम्परा का महत्व,आदिवासी ज्ञान प्रणाली –गितिओड़ा, अखड़ा, तपान हंड़िया – पूजा पाठ/ मागे, हटः गोसोः, अन्य।

इकाई – 2 घर बनाने की विधि/धार्मिक– मंत्र, पूजा, उपवास, शुभ/अषुभ/बीज सरक्षण,ंस्कार/दस्तुर का परिचय एवं महत्व/ विभिन्न दस्तुर/ संस्कार का सामान्य जानकारी (क)–जन्म (ख)–विवाह (ग)–मृत्यु,पर्यावरण – धर्म दर्षन/विज्ञान – पूर्वानुमान,कला,विष्वास, प्राकृतिक संसाधन, आदिवासी धर्म दर्षन एवं संस्कृति।

इकाई – **3** पहेली, मुहावरें, कहावतें

सहायक ग्रंथ

- ❖ आदि धर्म – डॉ. रामदयाल मुण्डा
- ❖ हो दिसुम हो होनको– भाग–1–7 – धनुर सिंह पुरती

MAJAOR COURSE : MJ - 6 हो लोक साहित्य

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

<u>मध्य छमाही परीक्षा :</u>

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

<u>छमाही परीक्षा :</u>

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रश्न होंगें । प्रश्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रश्न होगा। खण्ड 'B'में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हो भाषा में अपेक्षित होंगे।

पाठ्यक्रम का उद्देश्यः–

- हो लोक साहित्य पत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को आदि काल से हो समुदाय के बीच मौखिक रूप से संचालित साहित्यहिक एवं पारम्परिक ज्ञान उसकी संरचना, विशेषताओं एवं इसकी महत्व की जानकारी प्रदान करना ताकि समाज में इसकी पुर्नःस्थापना किया जाए ।

हो लोक साहित्य

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1 अवधारणा , परिभाषा , वर्गीकरण , विशेषताएँ , महत्व ।

इकाई – 2 लोकगीत– अवधारणा , परिभाषा , वर्गीकरण , विशेषताएँ , महत्व ।

लोककथा– अवधारणा , परिभाषा , वर्गीकरण , विशेषताएँ , महत्व ।

लोकगाथा– अवधारणा , परिभाषा , वर्गीकरण , विशेषताएँ , महत्व ।

लोकनाट्य– अवधारणा , परिभाषा , वर्गीकरण , विशेषताएँ , महत्व ।

लोकनृत्य– अवधारणा , परिभाषा , वर्गीकरण , विशेषताएँ , महत्व ।

सहायक ग्रंथ

- हो दुरं – डब्लू जी. आर्चर
- दिसम बेरेड कत्हा – लको बोदरा

- ❖ हो दिसुम हो होनको भाग –7 – धनुर सिंह पुरती
- ❖ हो बंकुड़ि ओंडोः दुरं डेम्बः – कल्याण विभाग, टीआरआई,रांची
- ❖ हो लोक कथा : एक अनुशीलन – डॉ आदित्य प्रसाद सिन्हा
- ❖ हो लोक साहित्य – डॉ लक्ष्मी पिंगुवा
- ❖ हो लोककथा – अनुराधा मुण्डू

MAJAOR COURSE : MJ - 7 हो काव्य के विविध रूप

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रष्न होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

छमाही परीक्षा :

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रष्न होंगे। प्रष्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रष्न होंगें । प्रष्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रष्न होगा। खण्ड 'B'में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश : इस पत्र का हो भाषा में अपेक्षित होंगे।

हो काव्य के विविध रूप

पाठ्यक्रम का उद्देश्यः–

- हो कवि के विविध रूप पत्र के अंतर्गत भाषा विज्ञान पत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को हो पद्य साहित्य के सैद्यांतिक पक्षों की सम्यक जानकारी देना तथा साहित्यहीक तत्वों का प्रयोग कर कवि साहित्य लेखन के प्रति विद्यार्थीयों को प्रेरित करना ।

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1 हो महाकाव्य– विषेषताएं, महत्व।

खंडकाव्य – विषेषताएं, महत्व।

गीतिकाव्य – विषेषताएं, महत्व।

इकाई – 2 रस – परिभाषा, प्रकार एवं महत्व।

छंद – परिभाषा, प्रकार एवं महत्व।

अलंकार – परिभाषा, प्रकार एवं महत्व।

अनुप्रास, उपमा,उत्प्रेक्षा,रूपक,श्लेष,वक्रोति,अतिशयोक्ति,विभावना।

सहायक ग्रंथ :

- साहित्य के तत्व – डॉ विसेश्वर प्रसाद केसरी

- काव्य के रूप – गुलाब राय
- अलंकार मुक्ता – आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
- सरजोम बा तरल – कमल लोचन कोड़ाह

MAJAOR COURSE : MJ - 8 हो गद्य साहित्य

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

<u>मध्य छमाही परीक्षा :</u>

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रष्न होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

<u>छमाही परीक्षा :</u>

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रष्न होंगे। प्रष्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रष्न होंगें । प्रष्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रष्न होगा। खण्ड 'B'में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हो भाषा में अपेक्षित होंगे।

हो गद्य साहित्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्यः–

- हो गद्य साहित्य पत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को हो गद्य साहित्य के विभिन्न विधाओं से परिचित करा कर सम्यक ज्ञान प्रदान करना तथा उन्हे विभिन्न विधाओं के परिभाषा ,तत्व ,विशेषताओं एवं महत्व से अवगत करा कर उन्हे साहित्याहिक लेखन की ओर प्रेरित करना इस क्षेत्र में करियर बना कर हो साहित्य की समृद्धि में अपना योगदान दे सके ।
- इसके साथ ही कहानी,उपन्यास ,नाटक,एवं निबंध के माध्यम से सामाजिक , साहित्यहिक , सांस्कृतिक ,गतिविधियों एवं समसामयिक मुद्दों से अवगत कराना मूल ध्येय है ।

प्रस्तावित संरचना

इकाई –1 हो कहानी, उपन्यास, नाटक,निबन्ध का उद्भव एवं विकास।

कहानी –परिभाषा, तत्व, विषेषताएं, महत्व।

उपन्यास – परिभाषा, तत्व, विषेषताएं, महत्व।

नाटक – परिभाषा, तत्व, विषेषताएं, महत्व।

निबंध – परिभाषा, तत्व, विषेषताएं, महत्व।

आलोचना एवं समालोचना – परिभाषा,विशेषताएँ,महत्व ।

इकाई – 2 कहानी : हाऊ पोड़ोम 1 से 5 की कहानी,नमा कहानि को 1–5

उपन्यास : होलोसि, हितड 1 से 3 तक, डिंडा हपानुम

नाटक : दिसुम रुमुल केजा 1 से 10 तक, मरंग गोमके 1–5

इकाई – 3 भाषा साहित्य संस्कृति एवं समसामयिक से संबन्धित निबंध (प्रमुख 1–5 साहित्यकारों, पर्व त्योहार एवं संस्कार से संम्बंधित निबंध ।

सहायक ग्रंथ :

- ❖ हाऊ पोड़ोम – घनश्याम गागराई
- ❖ दिसुम रुमुल – सोनेया कुमार तियू
- ❖ मरंग गोमके जयपाल सिंह मुण्डा – डॉ. दमयन्ती सिंकु
- ❖ होरलोसि – तिलक बारी
- ❖ नमा कहानि को – डॉ. दमयन्ती सिंकु, डॉ. प्रदीप कु. बोंदरा, अनुराधा मुण्डू

MAJAOR COURSE : MJ - 9 सामान्य जाति विज्ञान

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

<u>मध्य छमाही परीक्षा :</u>

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

<u>छमाही परीक्षा :</u>

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रश्न होंगें । प्रश्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रश्न होगा। खण्ड 'B'में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित होंगे।

सामान्य जाति विज्ञान

पाठ्यक्रम का उद्देश्यः–

- विद्यार्थी झारखण्ड के विभिन्न जनजातियों के उत्पति एवं इतिहास के बारे जानकारी प्राप्त होने के साथ–साथ इसके खान–पान, रहन–सहन, पर्व–त्योहार, दोस्तुर से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी इनके पारम्परिक शासन व्यवस्था से परिचित होंगे ।

प्रस्तावित संरचना

इकाई –1 जाति विज्ञान की परिभाषा, स्वरूप, अध्ययन का उद्देष्य, मुख्य शाखाएं, उपयोगिता और वैषिष्टय, अन्य विषयों से संबंध ।

इकाई – 2 जाति विषेषता की उत्पति, प्रवर्जन, इतिहास, अर्थव्यवस्था, समाज व्यवस्था, धार्मिक,व्यवस्था, राजनैतिक व्यवस्था, पर्व–त्योहार, वर्जनाएं, औद्योगिकरण एवं नगरीयकरण के प्रभाव,समास्याएं और संभावनाएं।

सहायक ग्रंथ :

- झारखण्ड की जनजातियां – डॉ. विमला चरण शर्मा, कीर्ति विक्रम
- झारखण्ड की रूपरेखा – डॉ. राम कुमार तिवारी
- झारखण्ड के जनजातियां – डॉ. चर्तुभुज साहु
- नृजाति विज्ञान – डॉ. निरंजन कुमार
- झारखण्ड में आदिवासियों की पारंपरिक स्वषासन व्यवस्था– संताल, पहाड़िया, हो, मुण्डा, खड़िया एवं उरांव – बिर सिंह सिंकु

❖ छोटानागपुर के उरांव रीति–रिवाज — डॉ. नारायण उरांव

MAJAOR COURSE : MJ -10 सामान्य भाषा विज्ञान

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100 Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

<u>मध्य छमाही परीक्षा :</u>

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड ‘A’ में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रष्न होंगे। खण्ड ‘B’में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

<u>छमाही परीक्षा :</u>

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड ‘A’ अनिवार्य है जिसमें दो प्रष्न होंगे। प्रष्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रष्न होंगें । प्रष्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रष्न होगा। खण्ड ‘B’में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हो भाषा में अपेक्षित होंगे।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

सामान्य भाषा विज्ञान

पाठ्यक्रम का उद्देश्यः–

- ➢ विद्यार्थी भाषा विज्ञान से परिचित होंगे इसके साथ–साथ भाषा के प्रकार, उत्पति, सिद्धांत, उपयोगिता, भाषा परिवर्तन के कारण को जान पाएंगे।
- ➢ विद्यार्थी भाषा विज्ञान के विभिन्न रूपों को बारीकी को जान पाएंगे।
- ➢ विद्यार्थी भाषा से संबंधी लिपि का उद्भव एवं विकास, देवनागरी लिपि एवं अन्य लिपि को जान पाएंगे।

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1 भाषा विज्ञान की परिभाषा, प्रकार, भाषा की उत्पति एवं सिद्धांत, उपयोगिता, परिवर्तन

के कारण, भाषा के विभिन्न रूप एवं वर्गीकरण– ध्वनि विज्ञान, पद विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान, लिपि विज्ञान, कोष विज्ञान।

इकाई – 2 भाषा में लिपि की भूमिका, उद्‌भव एवं विकास, देवनागरी लिपि एवं अन्य लिपि।

सहायक ग्रंथ

- ❖ सामान्य भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
- ❖ भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र शर्मा
- ❖ भाषा और समाज – रामविलास शर्मा

MAJAOR COURSE :MJ -11 हो समाज के विभिन्न संगठन/सामाजिक संस्था

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

<u>मध्य छमाही परीक्षा :</u>

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रष्न होंगे। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

<u>छमाही परीक्षा :</u>

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रष्न होंगे। प्रष्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रष्न होंगे। प्रष्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रष्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित होंगे।

हो समाज के विभिन्न संगठन/ सामाजिक संस्था

पाठ्यक्रम का उद्देश्यः–

- हो समाज के विभिन्न सभा – संगठनों से परिचित होंगे ।
- विद्यार्थी हो समाज के विभिन्न सामाजिक व्यवस्थाओं से परिचित होंगे

प्रस्तावित संरचना

इकाई– 1 हो समाज के विभिन्न संगठन (मुण्डा–मानकी संघ, आदिवासी हो समाज महासभा,

चाईबासा, आदिवासी यवा हो समाज महासभा, चाईबासा, एटे तुर्तुड. अखड़ा, आदिवासी सिंहभूम समाज, दिसुम दिल्ली

इकाई– 2 विभिन्न सामाजिक व्यवस्था की अवधारणा एवं महत्व –

सहायक ग्रंथ :

- परिचय हो समाज – घनयाम गागाराई
- हो भाषा साहित्य के विकास में विभिन्न संस्थाओं पत्र पत्रिकाओं एंव साहित्यकारों का योगदान – डा. विजय सिंह गागराई

MAJOR COURSE : MJ 12 झारखण्डी कानून एवं पारम्परिक शासन व्यवस्था

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रश्न होंगें । प्रश्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रश्न होगा। खण्ड 'B'में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित होंगे।

झारखण्डी कानून एवं पारम्परिक शासन व्यवस्था

पाठ्यक्रम का उद्देश्यः–

- ''झारखण्ड कानून एवं पारम्परिक शासन व्यवस्था'' पत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को झारखण्ड में आदिवासियों के अस्तित्व, अस्मिता, पहचान आदि के साथ–साथ जल, जंगल, जमीन भाषा–साहित्य एवी संस्कृति की संरक्षण करने हेतु विशेष रूप से प्रदत संवैधानिक प्रावधान एवं अधिकारों की जानकारी देना ताकि विद्यार्थियों को उनके संवैधानिक अधिकार और कानून की जानकारी प्राप्त हो।
- भूमि से संबंधित कानूनों, हक और अधिकार, रुढ़िगत प्रथा एवं पारम्पारिक शासन व्यवस्था से परिचित होंगे।

प्रस्तावित संरचना :

इकाई – 1. छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (CNT Act 1908) एवं संताल परगना काश्तकारी अधिनियम (SPT Act 1949) का परिचय और प्रमुख प्रावधान

इकाई – 2. पेसा कानून 'द प्रोविजनल ऑफ पंचायत एक्टकेशन टू द शिड्यूल्ड एरिया (PESA 1996) एवं विल्किन्सन रूल का परिचय और प्रमुख प्रावधान

इकाई – 3. मुण्डा–मानकी, पड़हा–पंचायत, माझी–परगनैत, डोकलो–सोहोर, ग्रामसभा, पंचायत, दिउरि, पाहन, महतो, दीवान, कोटवार।

सहायक ग्रंथ :

- छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (CNT Act 1908) : डी.पी. नरूल्ला
- संताल परगना काश्तकारी अधिनियम (SPT Act 1949) : क्राउन पब्लिकेशन्स
- झारखण्ड पंचायती राज अधिनियम, 2001 : रश्मि कात्यायन
- छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (CNT Act 1908) : सामान्य परिचय और जानकारी,चन्द्रभूषण देवगम
- ग्राम पंचायत व्यवस्था : कितनी अच्छी, कितनी बुरी : पी.एन.एस.सुरीन
- आदिवासी अधिकार : सं. रमेश जेराई
- मैन्यूअल ऑफ झारखण्ड लैंड्स : रश्मि कात्यायन
- छोटानागपुर भूमि विधियां : एस.एन. श्रीवास्तव
- पंचायती राज चुनौतियां एवं संभवनाएं : महिपाल
- कोल रूल : लको बोदरा

MAJOR COURSE : MJ 13 झारखण्ड के स्वतंत्रता सेनानी एवं शहीद

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रष्न होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

छमाही परीक्षा :

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रष्न होंगे। प्रष्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रष्न होंगें । प्रष्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रष्न होगा। खण्ड 'B'में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित होंगे।

झारखण्ड के स्वतंत्रता सेनानी एवं शहीद

पाठ्यक्रम का उद्देश्यः–

- "झारखण्ड के स्वतंत्रता सेनानी एवं शहीद पत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को झारखण्ड के विविध विभूतियों का अपनी जल, जंगल, जमीन, अस्तित्व, अस्मिता, भाषा–साहित्य की रक्षा हेतु किये गए कार्यों से उत्प्रेरित हो सके और एक उत्कृट समाज निर्माण में अपना योगदान दे सके।

प्रस्तावित संरचना :

इकाई – 1. सिद्धो–कान्हू, बाबा तिलका मांझी, भगवान विरसा मुण्डा, गया मुण्डा, वीर बुधु भगत, जतरा टाना भगत, तेलंगा खड़िया, पोटो सरदार, गणपत राय, लाड़ो

इकाई – 2 अल्बर्ट एक्का, विनोद बिहारी महतो, निर्मल महतो, अमको सिमको लड़ाई, देवेन्द्र माझी, मछुआ गागराई, महेष्वर जामुदा, अब्दुल हमीद।

सहायक ग्रंथ :

- झारखण्ड के शहीद – डॉ. भुवनश्वर अनुज
- झारखण्ड के समार गाथा – शैलेन्द्र महतो
- झारखण्ड आंदोलन का दस्तावेज शोषण, संघर्ष एवं शहादत – अनुज कुमार सिन्हा
- सिंहभूम के षहीद लड़ाका 'हो' –डॉ. दमयन्ती सिंकु
- झारखण्ड के षहीद – डॉ. दिवाकर मिंज
- झारखण्ड इन्साइक्लोपीडिया, खण्ड –1,3 – सं.–रणेन्द्र, सुधीर पाल

MAJOR COURSE : MJ 14 हो भाषा विज्ञान

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रश्न होंगें । प्रश्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक प्रश्न होगा। खण्ड 'B'में छः में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हो भाषा में अपेक्षित होंगे।

हो भाषा विज्ञान

पाठ्यक्रम का उद्देश्यः–

- हो भाषा विज्ञान पत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को हो भाषा का परिचय ,उत्पति ,क्षेत्र –विस्तार वर्गीकरण, विशेषता , भाषा परिवर्तन के कारण , बोली और भाषा में अंतर आदि की जानकारी देने के साथ–साथ हो भाषा के विभिन्न अंगों, ध्वनियों ,लिपि – वाक्य गठन की जानकारी देना ताकि विद्यार्थी को हो भाषा की स्वंतत्रता और वैज्ञानिक स्थिति से परिचित हो सके ।

प्रस्तावित संरचना

इकाई –1 हो भाषा का परिचय ,परिभाषा ,उत्पति क्षेत्र – विस्तार ,वर्गीकरण, बोली और भाषा में अंतर ।

इकाई – 2 ध्वनि विज्ञान – परिचय, परिभाषा, प्रकार पद विज्ञान परिचय ,परिभाषा प्रकार – वाकई विज्ञान, अर्थ विज्ञान, लिपि ,लिपि समस्या एवं संभावनाएं ।

सहायक ग्रंथ :

- पोम्पो – लको बोदरा
- भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी

हो भाषा विज्ञान का वैज्ञानिक अध्ययन – डॉ सरस्वती गागराई

MAJAORCOURSE : MJ- 15 हो समाज एवं संस्कृति

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे । प्रश्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रश्न होगा। खण्ड 'B'में छः में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित होंगे।

हो समाज एवं संस्कृति

पाठ्यक्रम का उद्देश्यः–

- विद्यार्थियों को हो समाज एवं संस्कृति का विस्तृत ज्ञान हासिल करेंगे ।
- विद्यार्थियों को हो समाज के सभी संस्कारों से परिचित होंगे ।

प्रस्तावित संरचना :

इकाई –1 हो समाज का सामान्य परिचय, विशेषताएँ ,परिभाषा, महत्व ।

इकाई – 2 हो संस्कार का परिचय –वर्गीकारण, जन्म से मृत्यु तक की विशेषताएँ ।

सहायक ग्रंथ :

- हो दिसुम हो होनको –भाग 2, 5 – धनुर सिंह पुरती
- हो लोककथा : एक अनुषीलन – डा.आदित्य प्रसाद सिन्हा

<u>MAJOR COURSE :</u> MJ-16 हो कविता

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

<u>मध्य छमाही परीक्षा :</u>

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रष्न होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

<u>छमाही परीक्षा :</u>

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रष्न होंगें । प्रष्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रष्न होगा। खण्ड 'B'में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश – इस पत्र का उत्तर हो भाषा में अपेक्षित होंगे ।

हो कविता

पाठ्य का उद्देश्य :–

- विद्यार्थी हो भाषा से संबंधित कविताओं के बारे में जान पाएंगे।
- विद्यार्थी हो भाषा के कविताओं को पढ़ने में रूचि रखेंगे।

पाठ्य संरचना :

- हो दुरंग पोथी – (कविता पाठ – गुलब बड़ा, उटन पे) – कान्हू राम देवगम
- सतीषय रूमुल – (कविता पाठ –विददा,सतीषय रूमुल) – सतीष कुमार कोड़ाह
- आदिवासी सिबिल दुरंग – (जयपाल सिंह की जय, आदिवासी डोंगा) – दुर्गा पुति
- षड़ा सुड़ा सगेन – (नेह युग,मा अरदास) – लको बोदरा
- हरा सगेन 1 – (कविता पाठ का लेबेया, समागे) – डॉ. जानुम सिंह सोय
- बिर बुरू बोंगा बुरू – (कविता पाठ–दोरोम तबु बुअल तना,विद्धा एरा)कमल लोचन कोड़ाह

MAJOR COURSE : MJ-17 हो कहानी

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रष्न होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रष्न होंगे। प्रष्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रष्न होंगें । प्रष्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रष्न होगा। खण्ड 'B'में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्दे”ा – इस पत्र का उत्तर अपनी भाषा में अपेक्षित होंगे ।

हो कहानी

पाठ्य का उद्देश्य :–

- विद्यार्थी हो भाषा से संबंधित कहानी के बारे में जान पाएंगे।
- विद्यार्थी हो भाषा के कहानी का लेख रचना की रूचि रखेंगे।

पाठ्य संरचना :

1. इकाई– 1 : परिचय, परिभाषा, तत्व, विषेषता, महत्व
2. इकाई– 2 : हाउ पोड़ोम (1–4)
   नमा कहनि को (1–4)
   सितुङ आरसी (1–4)

सहायक ग्रंथ :

3. हाउ पोड़ोम : घनष्याम गागराई (1–4)
4. नमा कहनि को : डॉ. दमयन्ती सिंकु, डॉ. प्रदीप बोदरा, अनुराधा मुण्डू (1–4)
5. सितुङ आरसी : डॉ. सरस्वती गागराई (1–4)

MAJOR COURSE : **MJ-18** हो नाटक

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रष्न होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

छमाही परीक्षा :

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रष्न होंगे। प्रष्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रष्न होंगें । प्रष्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रष्न होगा। खण्ड 'B'में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश – इस पत्र का उत्तर हो भाषा में अपेक्षित होंगे ।

हो नाटक

पाठ्य का उद्देश्य :–

- विद्यार्थी हो भाषा से संबंधित नाटक के बारे में जान पाएंगे।
- विद्यार्थी हो भाषा संबंधित नाटाकों की भाषा शैली के बारे में जान जाएंगे।
- नाटक पाठ कर विद्यार्थियों का कौषल विकास हो पाएगा।

पाठ्य संरचना

इकाई– 1 : परिचय, परिभाषा, तत्व, विषेषता, महत्व
इकाई– 2 : दिसुम रूमुल, मरङ गोमके जयपाल सिंह मुण्डा, पिर्कल जुम्पा

सहायक ग्रंथ :

1. दिसुम रूमुल : सोनिया कुमार तियु
2. मरङ गोमके जयपाल सिंह मुण्डा : डॉ. दमयन्ती सिंकु
3. पिर्कल जुम्पा : डॉ.सरस्वती गागराई, डॉ.जय किषोर मंगल, लाल सिंह बोयपाई

MAJOR COURSE : MJ-19 हो उपन्यास

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रष्न होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

छमाही परीक्षा :

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रष्न होंगे। प्रष्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रष्न होंगें । प्रष्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रष्न होगा। खण्ड 'B'में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्दे”ा – इस पत्र का उत्तर हो भाषा में अपेक्षित होंगे ।

हो उपन्यास

पाठ्य का उद्देश्य :–

- विद्यार्थी हो भाषा से संबंधित उपन्यास के बारे में जान पाएंगे।
- विद्यार्थी हो भाषा संबंधित उपन्यास की भाषा शैली के बारे में जान जाएंगे।
- उपन्यास पाठ कर विद्यार्थियों का कौषल विकास हो पाएगा।

पाठ्य संरचना

इकाई– 1 : हो उपन्यास

सहायक ग्रंथ :

1.होरलोसि : तिलक बारी

MAJOR COURSE : **MJ-20** अनुवाद साहित्य

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रष्न होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

छमाही परीक्षा :

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रष्न होंगे। प्रष्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रष्न होंगें । प्रष्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रष्न होगा। खण्ड 'B'में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्दे"ा – इस पत्र का उत्तर हिन्दी और अंग्रेजी में अपेक्षित होंगे ।

अनुवाद साहित्य

पाठ्य का उद्देश्य :–

- विद्यार्थी हिन्दी से हो में अनुवाद करना सीखेंगे।
- विद्यार्थी हो से हिन्दी में अनुवाद करना सीखेंगे।
- अनुवाद करने की कला को सीखेंगे।

पाठ्य संरचना

इकाई– 1 : अनुवाद का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, प्रकार, कला, षिल्प या विज्ञान, महत्व, उद्देष्य एवं समस्याएं।

इकाई– 2 : जनजातीय हो भाषा से हिन्दी, अंग्रेजी भाषा में अनुवाद एवं हिन्दी, अंग्रेजी भाषा से जनजातीय हो भाषा में अनुवाद।

सहायक ग्रंथ :

1. अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. अनुवाद कला :सिद्धांत एवं प्रयोग – डॉ. कैलाषचन्द्र भाटिया
3. अनुवाद विज्ञान – विनोद गोदरे
4. अनुवाद कला – डॉ. विष्वनाथ अय्यर

ADVANCE MAJOR COURSE : AMJ-1 भारतीय साहित्य

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रष्न होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

छमाही परीक्षा :

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रष्न होंगे। प्रष्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रष्न होंगें । प्रष्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रष्न होगा। खण्ड 'B'में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित होंगे।

भारतीय साहित्य

पाठ्य का उद्देश्य :–

- विद्यार्थी भारतीय साहित्य से संबंधि – वेद, पुराण, उपनिषद्, आदि साहित्य के बारे में जान पाएंगे।
- विद्यार्थी प्राचीन काल के परंपराओं से अवगत हो पाएंगे।

पाठ्य संरचना :

इकाई– 1 : प्राचीन भारतीय साहित्य – वेद, पुराण, उपनिषद्, जैन साहित्य एवं बौद्ध साहित्य।
इकाई– 2 : आदिकालीन एवं मध्यकालीन भारतीय साहित्य। सिद्ध एवं नाथ साहित्य, भक्ति आंदोलन, सगुण भक्ति, निर्गुण भक्ति, राममार्गी, कृष्णमार्गी, सुफी संत से संबंधित प्रमुख साहित्य का परिचय।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक अध्ययन भाग 1 एवं 2 : गणपति चन्द्र गुप्त
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : दुर्गा शंकर मिश्र
4. निर्गुण काव्य दर्षन : सिद्धनाथ तिवारी
5. हिन्दी साहित्य बीसवीं षताब्दी : नंद दुलारे बाजपेयी
6. हिन्दी साहित्य का समेकित इतिहास : डॉ. नगेन्द्र

ADVANCE MAJOR COURSE: AMJ-2 साहित्य सिद्धांत

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रष्न होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रष्न होंगे। प्रष्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रष्न होंगें । प्रष्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रष्न होगा। खण्ड 'B'में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित होंगे।

साहित्य सिद्धांत

पाठ्य का उद्देश्य :–

- विद्यार्थी साहित्य सिद्धांत से संबंधित अनेक विषय पर ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थी कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, आदि के बारे में जान पायेंगे।
- विद्यार्थी शब्द षक्ति, रस, गुण, दोष, छंद अलंकार के बारे में जानने पाएंगे।

पाठ्य संरचना :

इकाई– 1 : काव्य की परिभाषा, काव्य हेतु, प्रयोजन, तत्व, रूप का अध्ययन(भारतीय एवं पाष्चात्य दृष्टिकोण)।
इकाई– 2 साहित्य की विधाएं – काव्य, प्रबंध काव्य, कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, जीवनी डायरी, रिपोर्ताज, समीक्षा, आयोजन, समालोचन के स्वरूप और रचना विधान का अध्ययन।

इकाई –3 : शब्द षक्ति, रस, निरूपान, गुण, दोष, छंद – दोहा, चौपाई, सवैया, मालिनी, मंदाक्रांता।

अलंकार – अनुप्रास, यमक, उपमा, ष्लेष, वक्रोति, वीप्सा, रूपक, भ्रांतिमान, संदेह, उत्प्रेक्षा।

सहायक ग्रंथ :

1. साहित्य के तत्व और आयाम : वी.पी. केषरी
2. काव्य के रूप : गुलाब राय
3. काव्य के तत्व : डॉ. देवेन्द्र शर्मा

<u>ADVANCE MAJOR COURSE:</u> AMJ-3 आधुनिक भारतीय साहित्य

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

<u>मध्य छमाही परीक्षा :</u>

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड ‘A’ में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड ‘B’में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

<u>छमाही परीक्षा :</u>

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड ‘A’ अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रश्न होंगें । प्रश्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रश्न होगा। खण्ड ‘B’में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित होंगे।

आधुनिक भारतीय साहित्य

पाठ्य का उद्देश्य :–

- विद्यार्थी समृद्ध समाज एवं संस्कृति और समय के बारे में जान पाएंगे।
- विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के रसों को जानने में सक्षम होंगे।

पाठ्य संरचना :

इकाई– 1 : आधुनिक भारतीय साहित्य की पृष्ठभूमि, आधुनिक भारतीय भाषाओं का विकास, नवजागरण और राष्ट्रीय
आंदोलन की सामान्य विषेषताएं।

इकाई– 2 : आधुनिक भारतीय साहित्य – उड़िया साहित्य, बांग्ला साहित्य, तमिल साहित्य, तेलगु साहित्य एवं असमिया साहित्य।

सहायक ग्रंथ :

4. साहित्य के तत्व और आयाम : वी.पी. केषरी
5. काव्य के रूप : गुलाब राय
6. काव्य के तत्व : डॉ. देवेन्द्र शर्मा

SKILL ENHANCEMENT COURSE : SEC - 1 हो प्रकीर्ण साहित्य

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

<u>मध्य छमाही परीक्षा :</u>

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

<u>छमाही परीक्षा :</u>

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रष्न होंगे। प्रष्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रष्न होंगें । प्रष्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रष्न होगा। खण्ड 'B'में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हो भाषा में अपेक्षित होंगे।

हो प्रकीर्ण साहित्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्यः–

- विद्यार्थी प्रकीर्ण साहित्य के अंतर्गत प्रकीर्ण साहित्य से परिचित होंगे,विशेषता को जान सकेंगे ।
- विद्यार्थी प्रकीर्ण साहित्य के परिभाषा ,वर्गिकरण ,विशेषताओं को जान सकेंगे ।
- प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1 अवधारणा , विशेषता , वर्गीकरण , विशेषताएँ , महत्व ।

इकाई – 2 लोकोक्ति– परिभाषा

मुहावरे – परिभाषा

पहेली – परिभाषा

मंत्र – परिभाषा, प्रकार, विषेषता , महत्व।

खेल – परिभाषा, प्रकार, विषेषता, महत्व।

गीत – परिभाषा, प्रकार, वर्गीकरण,विशेषताएँ महत्व ।

सहायक ग्रंथ

- हो दिसुम हो होनको भाग –7 – धनुर सिंह पुरती
- हो बंकुड़ि ओंडोः दुरं डेम्बः – कल्याण विभाग, टीआरआई, रांची
- हो व्याकरण ओंडोः निबंधावली – डॉ दमयन्ती सिंकु

- प्रदीप हो बकणा – डॉ. प्रदीप कुमार बोदरा
- हो लोकसाहित्य – डॉ लक्ष्मी पिंगुवा

SKILL ENHANCEMENT COURSE : SEC – 2

हो जनजाति का सामान्य परिचय

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रश्न होंगें । प्रश्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रश्न होगा। खण्ड 'B'में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित होंगे।

हो जनजाति का सामान्य परिचय

पाठ्य का उद्देश्य :–

- विद्यार्थी हो जनजाति के बारे में विस्तार से जान पाएंगे।
- विद्यार्थी हो जनजाति के निवास स्थान, भौगोलिक क्षेत्र के बारे में जान पाएंगे।
- विद्यार्थी हो जनजाति के सामाजिक संरचना के साथ विभिन्न संस्कारों एवं खान पान के बारे में जान पाएंगे।

प्रस्तावित संरचनाः

इकाई –1 हो जनजाति को सामान्य परिचय, इतिहास, भौगोलिक संरचना एवं निवास क्षेत्र।

इकाई – 2 हो जनजाति की जनसंख्या, गोत्र विभाजन, सामाजिक संरचना, वस्त्राभूषण एवं खान पान, झारखण्ड के अन्य जनजातियों से संबंध।

सहायक ग्रंथ

- हो लोककथा : एक अनुषीलन – डॉ आदित्य प्रसाद सिन्हा
- हो जनजाति में बा गीत : एक अध्ययन – डॉ. दमयन्ती सिंकु
- हो भाषा के भाषा वैज्ञानिक अध्ययन – डॉ सरस्वती गागराई

SKILL ENHANCEMENT COURSE : SEC- 3 हो साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रष्न होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

छमाही परीक्षा :

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रष्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रष्न होंगें । प्रष्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रष्न होगा। खण्ड 'B'में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित होंगे।

हो साहित्यकार एवं उनके कृतियाँ

पाठ्य का उद्देश्य :–

- हो कवि एवं उनके काव्य पत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को हो साहित्य के विभिन्न काल क्रम में हो विधा के लेखकों का सामान्य परिचय देकर उनके महत्वपूर्ण योगदान से परिचित कराना । ताकि विद्यार्थी हो साहित्य के सभी विधाओं से परिचित हो सकें । हो साहित्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सके ।

प्रस्तावित संरचनाः

इकाई –1 प्राचीन साहित्यकारों का परिचय एवं कृतियाँ

इकाई – 2 मध्यकालीन साहित्यकारों का परिचय एवं कृतियाँ

इकाई – 3 आधुनिक साहित्यकारों का परिचय एवं कृतियाँ

हो साहित्यकार –

- कान्हु राम देवगम
- सतीश कुमार कोड़ाह
- दुर्गा पुरती
- विश्वनाथ बोदरा
- सामू चरण तुबिड

- डब्लू जी. आर्चर
- लको बोदरा
- भोलानाथ गागराई
- सोनेया कुमार तियू
- प्रो बी पी पिंगुवा
- डॉ आदित्य प्रसाद सिन्हा
- धनुर सिंह पुरती
- घनश्याम गागराई
- प्रो. बलराम पाट पिंगुवा
- डॉ जानुम सिंह सोय
- कमल लोचन कोड़ाह
- डॉ.दमयन्ती सिंकु
- तिलक बारी

सहायक ग्रंथ

- हो भाषा के साहित्यकार – डॉ दमयन्ती सिंकु
- हो भाषा साहित्य एवं आंदोलन – डोबरो बुड़ीउली
- बिडदिरि – डॉ सरस्वती गागराई, जय किशोर मंगल

MINOR COURSE : MN-1 हो जनजाति के पर्व त्योहार

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रष्न होंगे। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

छमाही परीक्षा :

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रष्न होंगे। प्रष्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रष्न होंगें । प्रष्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रष्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित होंगे।

हो जनजाति के पर्व त्योहार

पाठ्य का उद्देश्य :–

- विद्यार्थी पर्व त्योहार को जान पाएंगे।
- विद्यार्थी सभी पर्व त्योहारों के दस्तुरों को जान पाएंगे।
- विद्यार्थी सभी पर्व त्योहारों के विशेषता और महत्व को जान पाएंगे।

प्रस्तावित संरचना :

इकाई– 1 पर्व– त्योहारों का परिचय, मनाने का विधि विधान, पर्व त्योहारों का महत्व एवं विषेषता।

इकाई – 2 मगे , बा, हेरो, हेर मुट, एवं जोमनमा।

सहायक ग्रंथ :

- हो दिसुम हो होनको भाग–2 : धनुर सिंह पुरती
- हो जनजाति में बा गीत एक सांस्कृतिक अध्ययन : डॉ. दमयन्ती सिंकु
- हो जनजाति के सांस्कृतिक परम्पराएं एवं लोक गीत : डॉ. जानुम सिंह पिंगुवा

MINOR COURSE: MN-2 हो कवि एवं उनके काव्य

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

<u>मध्य छमाही परीक्षा :</u>

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रष्न होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

<u>छमाही परीक्षा :</u>

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रष्न होंगे। प्रष्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रष्न होंगें । प्रष्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रष्न होगा। खण्ड 'B'में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हो भाषा में अपेक्षित होंगे।

हो कवि एवं उनके काव्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्यः–

- हो कवि एवं उनके काव्य पत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को हो साहित्य के विभिन्न काल के कवियों का सामान्य परिचय से अवगत कराना तथा उनके द्वारा रचित काव्यों से हो काव्य साहित्य का इतिहास ,परिस्थिति आदि की संक्षिप्त जानकारी देना ताकि विद्यार्थियों को हो कविता के विकास क्रम से अवगत कराया जा सके।
- भावना जागृत करना तथा कविता के सूक्षम भावों को अभिव्यक्ति करने की समझ बनाना ही प्रमुख ध्येय है ।

प्रस्तावित संरचना

इकाई –1 प्राचीन कवियों का परिचय एवं काव्य–

- कान्हु राम देवगम –1 गुलब बड़ा 2. उटन पे
- सतीश कुमार कोड़ाह – 1 विददा 2. सतीशय रुमुल
- दुर्गा पूर्ति – 1 जयपाल सिंह की जय 2 आदिवासी डोंगा

इकाई – 2 मध्यकालीन कवियों का परिचय एवं काव्य–

- लको बोदरा – 1 नेह युग 2. मा अरदास
- भोलानाथ गागराई – 1 जोनोम एंगा 2. कबु उसाना
- प्रो. बलराम पाट पिंगुवा – 1 जयरा दिसुम 2.लोयो

इकाई – 3 आधुनिक कवियों का परिचय एवं काव्य –

- डॉ जानुम सिंह सोय – 1 एका लेबेया 2.समागे
- कमल लोचन कोड़ाह – 1 दोरोम तबु बुंअल तना 2. विददा एरा
- डॉ.दमयन्ती सिंकु – 1 लको बोदरा 2. अबुआ झारखंड
- डॉ.प्रदीप कुमार बोदरा, – 1 गोमके राम दयाल मुंडा
- डॉ सरस्वती गागराई – 1 बेरेड कमि सारंडा कोरे 2. उडु इडेम
- डोबरो बिरुली – 1 सिंह दिसुम 2 सनङ सेसा अमः सनङ
- गुरुचरण पुरती – 1 पोटो सरदार 2. अम्बरोब

सहायक ग्रंथ

- हो दुरंग पोथी
- सतीशय रुमुल
- आदिवासी सिबिल दुरंग
- जयरा दिसुम
- हो कविताओं का राष्ट्रीय स्वर
- षड़ा सुड़ा सगेन
- हरा संगेन –1
- बिर बुरु बोंगा बुरु
- दुरंग हिसिर
- सेंया सेतेङ
- कोल्हान दिसुम हो दुरं
- सेंया रुमुल
- हो भाषा के साहित्यकार
- हो भाषा साहित्य एवं आंदोलन

MINOR COURSE : MN- 3

झारखण्डी समुदाय के पारम्परिक वाद्य यंत्र,गीत एवं नृत्य शैलियाँ

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रष्न होंगे। प्रष्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रष्न होंगें । प्रष्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रष्न होगा। खण्ड 'B'में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित होंगे।

झारखण्डी समुदाय के पारम्परिक वाद्य यंत्र , गीत एवं नृत्य शैलियाँ

पाठ्य का उद्देश्य :–

- पारम्परिक वाध्य यंत्र, गीत एवं नृत्य शैलियाँ पत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों संस्कृति से अवगत कराना, पर्व – त्योहार, गीत– संगीत, पूजा–पाठ एवं अन्य अवसर पर प्रयुक्त होने वाले वाध्य यंत्रों,गीतों एवं विभिन्न प्रकार की नृत्य शैलियों के बारे जानकारी प्रदान करना ताकि विलुप्त हो रही इन धरोंहरों को संरचित किया जा सके ।

प्रस्तावित संरचनाः

इकाई –1 बनावट , प्रकृति , आकार प्रकार,(माँदर, नगाड़ा ,ढ़ोल, रुतुः एकतारा, गिनी, सकोवा, घंटा, भेर, नरसिंघा, झांझ, ठेचका, रबका, टुहिला, ढाक,गुगुरा ।

इकाई – 2 नृत्य की परिभाषा प्रकार, महत्व विशेषता एवं पारम्परिक आभूषण ।

इकाई – 3 नटुआ, छऊ, पईका, घोड़ानाच,जदुर, करम , सरहुल, गेना,जतरा, केमटा, झूमर , लहसुआ,भिनसरिया, डमकच,नृत्य ।

सहायक ग्रंथ :

- झारखण्ड की वाध्य यंत्र – डॉ. गिरिधारी राम गौंझु "गिरिराज"
- झारखण्ड के लोकगीत – डॉ. गिरिधारी राम गौंझु "गिरिराज"

- सखुआ थाती – कला संस्कृति विभागय स्मारिका
- मुंडारी लोकगीतों में राग एवं ताल – डॉ सोहन मुंडा
- जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा से संबन्धित पत्र पत्रिकाएँ
- पाठ्य सामाग्री हेतु विभिन्न शोध आलेखों एवं पत्र – पत्रिकाओं का अध्ययन ।

MINOR COURSE- MN-4

झारखण्डी समुदाय का सांस्कृतिक केन्द्र एवं झारखण्डी पाक् कला

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100	**Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्र**श्न** होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

छमाही परीक्षा :

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रष्न होंगे। प्रष्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रष्न होंगें । प्रष्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रष्न होगा। खण्ड 'B'में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित होंगे।

झारखण्डी समुदाय का सांस्कृतिक केन्द्र एवं झारखण्डी पाक् कला

पाठ्य का उद्देश्य :–

- विद्यार्थी जनजातियों के युवागृह से परिचित होंगे ।
- जनजातियों की सामाजिक व्यवस्था में युवागृह के महत्व से भी परिचित होंगे।
- विद्यार्थी सामाजिक सांस्कृतिक केन्द्र एवं झारखण्डी पाक् कला के बारे में परिचित होंगे।
- विद्यार्थी सभी प्रकार के जनजातीय पाकवानों से परिचित होंगे।

प्रस्तावित संरचनाः

इकाई– 1 गितिःओड़ाः, गितिः ओअ, धुमकुड़िया, गिता'चाड़ी, गिपितिच् टाँडी, माँझी,आखड़ा, सुतानटांडी, आतूबैसी

इकाई– 2 अखड़ा–परिभाषा, सामाजिक महत्व एवं विशेषता

इकाई– 3 मडुआ रोटी, मकई–सरई–महुआ लाठो, धुसका, खपरा रोटी, सकमलद्, दुललद्, छिलका रोटी, डुम्बुः,मीट–मछली पकाने की कला, लद् जिलु, लेटेमंडि, गुड़ पीठा, अरसा रोटी आदि।

सहायक ग्रंथ :

- मुण्डा कोअः आकाड़ा : डॉ॰ रामदयाल मुण्डा
- झारखण्ड की सांस्कृतिक विरासत : डॉ॰ गिरिधारी राम गौंझू 'गिरिराज'
- झारखण्ड की पारम्परिक कलाएँ : डॉ॰ गिरिधारी राम गौंझू 'गिरिराज'

- झारखण्ड के सदानों का इतिहास : डॉ॰ वीरेन्द्र कुमार साहु
- भारतीय जनजातीय संस्कृति : गया पाण्डेय
- सामाजिक मानवशास्त्र परिचय : मजुमदार एवं मदन
- सामाजिक सांस्कृतिक मानवशास्त्र : विजय शंकर उपाध्याय, गया पाण्डेय
- खड़िया जीवन और परम्पराएँ : डॉ॰ फा॰ जोवाकिम डुँगडुँग ये॰ स॰
- खड़िया, मुण्डा और उराँव संस्कृति का तुलनात्मक अध्ययनः डॉ॰ फा॰ जोवाकिम डुँगडुँग ये.स.

ELECTIVE COURSE : AEC-3

लेखन एवं प्रारूपण विधि, वाक्यांश,शब्द एवं वाक्यों का अनुवाद

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 50	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

<u>मध्य छमाही परीक्षा :</u>

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड ‘A’ में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड ‘B’में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

<u>छमाही परीक्षा :</u>

प्रष्नों के दो समूह होंगे। खण्ड ‘A’ अनिवार्य है जिसमें दो प्रष्न होंगे। **प्रश्न** संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रष्न होंगें । प्रष्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रष्न होगा। खण्ड ‘B’में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रष्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित होंगे।

लेखन एवं प्रारूपण विधि, वाक्यांश,शब्द एवं वाक्यों का अनुवाद

पाठ्यक्रम का उद्देश्यः–

- ''लेखन एवं प्रारूपण विधि, वाक्यांश, शब्द एवं वाक्यों का अनुवाद''पत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों का लेखन एवं प्रारूपण विधि, वाक्यांश, शब्द एवं वाक्यों का अनुवाद की जानकारी के साथ–साथ कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी देना ताकि वे कार्यालय के समस्त कार्यों को सुगमतापूर्वक कर सकें। इससे विद्यार्थियों में लेखन कार्य अथवा विभिन्न कार्यालयों में अपना करियर बनाने की दिशा में आगे आ सके।

प्रस्तावित संरचना :

इकाई – 1 पत्र लेखन, कार्यालयी पत्र–व्यवहार, संपादकीय पत्र लेखन, आवेदन लेखन

इकाई – 2 हिन्दी / अंग्रेजी से हो भाषा में किसी गद्यांश अथ्वा पद्यांश का अनुवाद

इकाई – 3 हो भाषा से हिन्दी / अंग्रेजी में किसी गद्यांश अथवा पद्यांश का अनुवाद

सहायक ग्रंथ :

- आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसाद
- वृहत व्याकरण भास्कर : डॉ. वचन देव कुमार
- रचनात्मक लेखन : डॉ. रमेश गौतम
- अपठित पाठ्यांश

ELECTIVE COURSE : AEC-4 भाषा एवं संप्रेषण (संचार)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 50	Pass Marks : Th (MES+ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

<u>मध्य छमाही परीक्षा :</u>

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पांच अत्यंत लघु उत्तीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B'में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

<u>छमाही परीक्षा :</u>

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में अत्यंत लघु उतरीय 1 अंक के प्रश्न होंगें । प्रश्न संख्या 2 लघु उतरीय 5 अंक के प्रश्न होगा। खण्ड 'B'में छ में से किन्ही चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

नोट– सैद्धांतिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप – विभाजन हो सकतें हैं।

निर्देश : इस पत्र का उत्तर हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में अपेक्षित होंगे।

भाषा एवं संप्रेषण (संचार)

पाठ्यक्रम का उद्देशयः–

- विद्यार्थी संप्रेषण संबंधी जानकारी प्राप्त कर पाएंगे
- विद्यार्थी संचार एवं दूरसंचार (टेलीफोन, रेडियो, दूरदर्शन) आदि के बारे में जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।
- विद्यार्थी जन संचार (हाट–बाजार, मेला)आदि ।

प्रस्तावित संरचना :

इकाई – 1 भाषा संप्रेषण अर्थ, संप्रेषण की अवधारणा, परिभाषा,स्वरूप, प्रकार, तकनीकी पक्ष, सामाजिक परिपेक्ष्य, भाषा षिक्षण में संप्रेषण का महत्व, संप्रेषण का उद्देष्य

इकाई – 2 संचार, दूरसंचार(टेलीफोन, रेडियो, दूरदर्षन), जन संचार (हाट–बाजार, मेला) मीडिया (प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रोनिक मीडिया)

सहायक ग्रंथ :

- संप्रेषण प्रतिरूपण एवं सिद्धांत – डॉ. श्रीकांत सिंह
- भाषा और संप्रेषण – राम प्रकाष प्रजापति
- सूचना एवं संप्रेषण तकनीकि – एस. आर. जाट